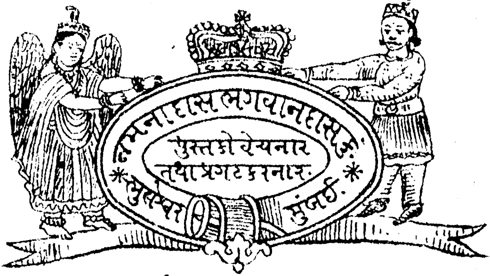
तोहफए दीलजोश

उर्दू

नई ईन्दर सभा

तालीफ कीया

मुनशी सैयद माहमुद मुतखल्लुस "जहीद" ने



शेअर { मदरसेमें आशकोंके जिसकी बीसमील्लाहोहे;
उसका पहेलाही सबक यारो फना फील्लाहोहे.

मुंबईः-बॉम्बे सिटि प्रेसमें छापा हुये.

ई.स.१८८९.

कीम्मत दो आने-

હમણાંજ છપાઈ બાહેર પડ્યો છે.

ગુલશને બેબહાર

ઉર્ફે

તમાશાહાએ પુરજહાર.

(કે જેની અંદર નીચે લખેલા ઉર્દુ ખેલો, બે જલસાઓ, બંદગીઓ, જનાનરાનાં ગાયનો, તથા મુજરાઓમાં ગવાતી ૧૫૦ ગજલોનો સંગ્રહ કીધો છે.)

ખેલોના નામઃ-

૧. અન્જમે સબાવત.
૨. નકશે સુલેમાની.
૩. નઈ ઈન્દર સભા.
૪. તમાશાએ ચાંદબી.
૫. બકાવલીઓ તાજુલમુલ્ક.
૬. શીરીન ફરહાદ.
૭. અલીબાબા ચાલીસ ચોર.
૮ ચંદ્રબદન મોહીયાર.
૯ મક્ઝના (અફસરેચરત્તર.)
૧૦ બે જલસા.
૧૧ બંદગીઓ.
૧૨ જનાનરાના ગાયનો.
૧૩ મુંજરાઓમાં ગવાતી ૧૫૦ ગજલો.

કિંમત રૂપીઓ સવા.

આ પુસ્તક ઘણુંજ સરસ અને રમુજી ૭૦૦ પાનાંનું છપાયું છે. જેની ખુબી વાંચ્યા પાછી કદાપી માલમ પડશે નહી. જે નકલ મંગાવશે તેની પાસેથી પોસ્ટેજ ખરચ લીયામાં આવશે નહીં.

મેહેતા જમનાદાસ ભગવાનદાસ ઠે. ભુલેશ્વર. મુંબઈ.

मोहब्बते दीलफरोश

उर्फ़

नई इन्दरसभा.

तफ्सीले नाटक.

गुलजारशाह ...... अख्तरनगरका बादशाह.

वजीर ...... गुलजारशाहका.

गुलफाम ...... पीसर गुलजारशाह.

इन्दर ...... शेहनशाह परस्तान.

सब्जपरी ...... परयोंकी अफसर व माशुके गुलफाम.

पुखराजपरी ...... } सभाये इन्दरकी रकासें व मुगन्नीयें.
नीलमपरी ...... }
लालपरी ...... }

लालदेव ...... } फरमाबरदारे राजा इन्दर.
कालादेव ...... }

चोबदार - नजुमी - खवास - हरकारी - रईयत - वगयेरा.

मुकाम - अख्तरनगर - संगलदीप - परस्तान.

इत्तलाये जरूरी - ये नाटक सने ४७ के २० एक्टमे कायदेके मुताबीक रजीस्टर कियाहुवे. इसलीये इसका कोईभी बाब उरदु हरफमें या गुजराती हरफमें मेहता जमनादास भगवानदासकी कंपनीकी रजामंदी बगयेर कीसीनें छापना नहीं.

भाग पहेला - परदा पहेला

तख्तगाह.



(दिखलाई देना मोहम्मदशाह बयठे हुवे वजीरो, अमीरो, अहले दरबार मअे शामीआनगरोंके और नेदाकरना चोबदार का आमदे शाही.)

मुसद्दस.

चोबदार — आमद हय खासोआममें गुलजारशाहकी.
आमद हय बसद शौकतो हशमत पनाहकी.
क्या शाने तजम्मुल हय उस आलीजाहकी.
जब नत होयंद क्युं न हो ईस बारगाहकी.
फीर क्युं अदु न होवे सभी ख्वारो जार आज.
हय आमदे "हरीफ" शाहे नामदार आज.

(आना गुलजारशाहका परीशोंदर दरबारमें और उठना परीये ताजीमके दरबारीओंका जुलुस फरमाना शाहका तख्ते जरनेगारपर और गाना रामीशगरोने.)

जोगीया आसावरी–ठुमरी.

नावो नावो राजा–तर्ज.

रामीशगरें–कायम रहे ताअबद तेरी सलतनत अयेशाह–टेक.
गुलजारशाह हय नाम तेरा अय शाहे आलम;
सर सब्ज रहे बागे तलब्बुल तेरा हरदम–कायम.
बख्त चमके नीत तेरा ज्युं मेहरे मुनव्वर;
जारी रहे ये अहदो सखावत तेरी ख़ुशतर–का०.
दीन रात रहो शाद तुम शाहा बसद ईकराम;
अब हय "हरीकृष्ण" येही बस आखेरी कलाम–का०.

(दिलगीर होना शाहका न होनेसे फरजंदके और दोआ करना जनाबे बारीमे वास्ते वारेसे तख्तके.)

पीलु–गजल.

दीवाना हय हमें कहां कहां–तर्ज.

शाह–ईलाही शुक्र हय अजहद तेरा अय बालेके परवर;
तेरे अेहसानकी गठडी हय भारी मेरी गरदनपर–ई०.
तुने अजनआमते बेहेतरसे मुजकु परवरीश करके;
दिया इतबा दीगर आला करमसे तेरे अय दावर–ई०
फजलसे तेरे हय मौजुद सब कुछ या ख़ुदावंदा;

वले एक शायका हुं सायल ओ जलदीसे एनायतकर-ईं॰
तु दे फरजंद एक खुशरू एही हय आरजु मेरी;
नहि कोई दुसरा वारेस के जयहे ईस हुकुमत पर-ईं॰
मेरी आंखोंकु ठंडक हो जो देखुं मंये हयातीमें;
नीकालुं हसरतें सारी मंये दीलकी शाद होहोकर-ईं॰
खुदाया हय तुजे रोशन जो आलेंपर गुजरती हये;
नही कुदरतसे तेरे दुरगर ए उमीद लावे बर-ईं॰

(मुखातीब होना तरफ़ वजीरके और कहेना वास्ते लाने नजुमीके.)

वजीर अब जलदतर जा कर बुला ला तुं नजुमी कु;
"हरीफ़" उस्से मुकद्दरका मंये पुछु हाल सब यकसर-ईं॰

(आना नजुमीका रुबरु शाहके और आदाब बजा कर खडे रहेना.
फिर कहेना शाहने वास्ते दर्याफ्त हस्बहालके.)

ग्रहन्स-मसनवी.

नकर लालदेव-तर्ज

शाह-

हुनरवर तु अब गौर कर जलदतर, बता हाल सचसच जो हो सरबसर.
मेरे जख्म दिलका हो मरहम अगर, लगादे ता तस्कीन पावे जीगर.
बयांकर बखुबी जरा सोच कर, हो राहत मेरे दिलकु कुछतो मगर.

(जयेह जाना नजुमीने तसलीम करके और देखना
अपनी कितावमें और फेंकना कुरे
फीर अर्ज करना शाहसे दस्तबस्ता होके)

आसावरी-मसनवी.

महाराज कीजे-तर्ज.

जम्नुमी-

हो मुतवजे ह इस तरफ कु अये जनाब, सुनो हाल सारा बइए हीसाब.
मंझे हो जहरे तशवीशमें गोतजन, नीकाला हुं अनमोल अेक नोरतन.
मुकद्दरमें हये आपके अेक पीसर, अेनायत करेगा ओ रब जुहतर.
हो यासमानी जुजीमें ओ खुशसयर, जसे देख शरमाये शम्सो कमर.
चले उस्में थोडा हय अयशाह अेक, हो जारा जरसका ओ शाहजहानेक.
हो आशक परी उसकु लेजायगी, अौर मकसद दीली अपने बरलायगी.
बयांवार आ हवाल सारा कहा, "हरीफ़" इस्मे मुतलक नहीं शक रहा.

(कुजारा दीलगीर होना शाहका हाल सुनके नम्नुमीसे
ओर जाना. नम्नुमीने आवाज जलकर.)

अहन्स-मरसीया.

हाये हाये-पीसर-तर्ज.

शाह-

खुदायों ये कयेसा हये जेरोसीतम, खुशीका सुना मुजदा तीस्पे ये गम.
जगरपर मेरे आज ये कुना जखम, हाय अफसोस गम वाय अफसोस गम.
रजपर में राजी हुं तेरे खुदा, मेरे दागे दीलकु तु कर दे जुदा.
"हरीफ़" आरजु हये मेरी अेसदा, होये आफत जुदा होये आफत जुदा.

(आना ख्वासका खुश खबरी सुनानेके
लीये.)

मुखम्मस.

ख्वास — हो शाद दीलसे अब अय शहनशाहे नामवर,
हकने अता कीया हये बेगमकु एक पीसर,
माहताब ३ हये नेक ओ शाहजादा बख्तवर,
कर दुर दीलसे गम सभी अय शाहे खुशसयर,
दरगाहे हकमें शुक्र करो अब झुकाके सर.

(खुशी होना शाह व दरबारीओंका और शुक्र करना बारे तआलाका सबोंने.)

परज — कालींगडा.

करकर कर — तर्ज.

सब — शुक्र हये हरआन तेरा अय कीरतार,
बर आई उमीद हमारी अहसां हय तेरा बार — शुक्र.
मवला तु सरताज दोनो जहांका,
मालेक परवर सबका तु कुलका हय मुख्तार — शुक्र.
तेरे सीवा कौन हय हकीमे मुतलक.
दरदे दीलका दरमां तु साहेब सरजनहार — शुक्र.
फजल हुवा हमपर तेरा अय करीम,
ताबअे फरमां तेरा हय "हरीफ" हरबार — शुक्र.

बाब पहेला — परदा दुसरा. (रास्ता.)

(आनारेबायाका खुशवक्ती करतेहुवे शाहके नजदीक आनेको

जशने ईनआमके.)

जल्सा-डाहारवा.

साडे तीन पैसे-तर्ज.

सब-आवो यारो खुशीकी खुब धुम मचावो,
खुब धुम मचावो खुब धुम मचावो-आवो.
पहेला-लडका पयेदा हुवा हय शाहके वहां खुशाई,
दुसरा-सारे शेहरमें खुशवक्तीकी शोहरत हय हरसु-आ.
तीसरा-शाहने अयसी मुनादी फेरी अयश करो सारे,
जो कुछ हो दरकार उसको आवे पास हमारे-आ.
पहेला-चलो तजतो जकर यारो ले आवे कुछ जर,
दुसरा-खावें पीवें मजे उडावे इस्से क्या बेहतर-आ.
तीसरा-अयशो तरबमें बसर करुंगा मंगेअपनीओक
पहेला-रंग रागमें मचा रहुंगा मजें तो दीनो रात-आवे
दुसरा-मारे खुशीके फूल गया हुं चलना हय दुशवार.
तीसरा-उठालो मुजकु शांहेपर हुं "हरीफ़ुक" दीलदार-आ

बाब पहेला-परदा तीसरा.

बाग.

(दिखलाई देना बागबांका फुल चुन्ते हुवे
आना शाहजादे गुलफ़ामका ईरशाद
करना बागबांकु वास्ते सेजके.)



પીલુ-લાવની.

(લંગડી રંગત.)

ગુલફામ-ચુનકે કલીયાં લાદે બાગમાંપ્યારીપ્યારી ફુલોંકી,
સેજ પલંગપર બીછાદે મુજકુ સારી ફુલોંકી.
ઇસ્મેં મેરા ગુલ્ફામ હયે ઓર પીદર મેરા શાહ ગુજબર,
મુજ બાજુબે-મેહેરબાં હયગા હમેશાં ઓ સરદાર.
તુર્રા બનાદે ફુલોંકા ઓર પહેનાદે ફૂલોંકા હાર,
ઉસ્કી બુસે-મોઅત્તર દેમાગ હો ગમ હોવે ફરાર.
તરેહ તરેહકી ચીજેં બના દીખલાદે જહારી ફુલોંકી-સે૦
(દસ્તબસ્તા હો અર્જ કરના બાગબાંકો શાહજાદેસે.)

મનજુર — તર્જ.

बागबां-

आरास्ता कर रख्खा हय साहेब पलंग आपका दरगुलजार,
फुलोंसे सारा सजन हुं देखो ऊठी हरसु मेहकार.
कीसम कीसमके गुलदस्ते ओर हय ए लो तुर्रा तैय्यार,
रहो शादमां-हमेशा तुम अय मेरे शाहके दीलदार.
"हरीफ" अब आराम करो हय सेज संवारी फुलोंकी-सेज.
(बना बागबांका आवाज जानकर खुश होना शाहजादेका

देखकर बागो कोठेकु.)

बेहाग-गजल.

गयरत न आई-तर्ज

गुलफाम-शुकरे खुदाके ईन दीनो गम दीलसे दुर हये;
फरते खुशीका दीलमे अजयेब जहुर हय-शुकरे.
कोठा चमनमे रखाके दहे कोहे तुर हये,
चादर पलंगपे अयसी जीछा गोया नुर हये-शुकरे.
अजतो "हरीफ" राहसे क्या वकुर हये;
सो रहुं बके नीन्दसे आंखेभी चुर हये-शुकरे.
(आराम फरमाना शाहजादेका छपरघटपर आना परीका
तख्तपर बयठकर सयर करते हुवे बागमें और
देखकर शाहजादेकु बेकरार होना.)

भयरवी-ठुमरी.

छोरी जामनकी-तर्ज.

सब्जपरी- सोने उठ सखत सज तनमन मेरा जलानेलगी,
हुस्न जरार क्या करेजे मे हय शरह मेरी घबराने लगी- सो०
फुलीए गुल है दील में उसगर्छ वस्ल जीना तरसाने लगी- सो०
"हरीफ" दीलसे जिस्म से मेरे ताजो तवां सज जाने लगी- सो०

(नजदीक जाके.)

काफी पीलु- गजल.

हुरोंके होश — तर्ज.

परी- क्या फुज नो जवान ये जेरो शजाजमें,
सोया हय बेखबर जैसा अतरो गुलाबमें.
जुलफें मोंओमजरी हय परेशां ज अयेने नाज,
देखनेसे उस्के दील हय पडा पेचोतावमें.
अंगुस्तरी नीशानी में अपनी दे जाती हुं,
तसलीम हय "हरीफ" तुम्हारी जनाबमें.
(जाना सब्जपरीका शाहजादेकु अंगुशतरी पहेनाके व हाथोंकु बोसा देकर.)

बाब पहेला - परदा चौथा. (जंगल.)

(वास्ते सब्जेरके आनाराजइन्दरका और अदा करना हम्द खुदा.)

पहाडी झींझोटी- जंजरा.

हुई सुब्हो नीकल— तर्ज.

इन्दर- मालेकुल मुल्कु सांजेनला, जे अयेज हये तु हक्तआला.

लायेक हम्द के जेशक सुजहां, जल्साके मुतलक रहमां, जी
तेरी ज़ात हये अज़ल्लो आला — जे अयेज.



अरशो कुरसी. लोहोक लमका, हुरोगीलमां कुसुरो नअमका - जी
मुख्तार तुही शाहे वाला — जे अयेज.

तेरी कुदरत हये यकताई, शेहनशाहकु जक्से गदाई, जी
जक्से गदाकु रूतबा दुं आला - जे अयेज.

परबतकु करे पलमें राई, समन्दरकु जनावे जाई, जी
तु कादर कुदरत वाला — जे अयेज.

तेरा जुल्वा हये संगो गौहरमें, तेरा नुर हय शम्सो कमरमें, जी
सोतरह हये जुसका उजाला - जे अयेज.

क्या गदा ओ क्या ताजदारे, मोहताज तेरे हये सारे, जी
कुल जहांका पालन वाला - जे अयेज.

हम्द कीस्से जयां होतेरी, है अकल यहां तक मेरी, जो
हये "हरीफ" तेरा मतवाला — जे अयेज.

(अजह तअरीफ करना खुदकी.)

पीलु-अशयात.

राजा हुं मंजे कोमका और ईन्दर मेरा नाम,
जीन परीयों के दीदके नहीं मुजको आराम.
सुनोरे मेरे देवरे दीलको नही करार,

(हाजेर होना लालदेव और कालेदेवका हेजूर राजाके मोअद्दब खडे रहेना.)

जलदी मेरेवास्ते सभा करो तैयार.
तख्त बीछावो जगमगा जलदीसे ईसआन,
मुजकु शाद भर जबेठना महफीलके दरम्यान.
मेरा संगलदीपमें मुलकों मुलकों राज,
जो मेरा हये चाहता जलसा देखुंआज.
लावो परीयोंको मेरी जलदी जाकर यहां,
जारी जारी आनकर मुजरा करे वहां.

(आना ईन्दरका साथ देवोंके)

आज पहेला-परदा पांचवा.

दरबार.

(दीखलाई देना दरबारीयोंका मंजे देवो योजदारोंका ईन्दरकी आमदगाते हुवे)



झींझोटी-गजल.

करके तन्हा मुजेह अये दोस्तो—तर्ज.

सभामें दोस्तो इन्दरकी आमद आमद हुए;
परीजमालोंके अफसरकी आमद आमद हुए—सभामें.
खुशीसे फूले फूले आलम हुए सुरते बुलबुल;
अब इसरतचमनमें गुलेतरकी आमद आमद हुए—स०
फरोगे हुस्नसे आंखोंको अब करो रौशन;
जमीपे मेहरे मुनव्वरकी आमद आमद हुए—सभामें.

(आना इन्दरका लीबासे जरीन पहेने हुवे

और जयेठना तख्तपर सर झुकाना दरबारी-
योंका जबके तसलीमके बअद आमद
आना पुखराज परीकी.)

काफ़ी — गज़ल.

महफ़ीले राजमे पुखराज परी आती हय;
सारे माअशुकोंकी सरताज परी आती हय- म०
जिस्का साया न कभी ख्वाबमें देखा होगा;
आदमीज़ादमे ओ आज परी आती हय- मह०
दौलते हुस्नसे हो जायगा आलम मामुर;
करने ईस बज़्ममें अजराज परी आती हय- म०

(आना पुखराज परीका सलामे गाते हुवे और तसलीम
करना ईन्दरको.)

जला पीलु-गज़ल.

पुखराजपरी-

गाती हुं मअें और नाच सदा काम हय मेरा;
आफ़ाकमें पुखराजपरी नाम हय मेरा- गाती.
फ़ंदेसे मेरे कोई नीकलने नही पाता;
ईस गुलशने आलममें जीछा दाम हय मेरा- गा०
मंअे लाजकी दो लाजकी परवा नही रखती;
काईका जलाना जखु ईनआम हय मेरा- गाती.
कहेते हयें जहांमें जीसे ईनसां गुलो बुलबुल;

वो रैन हुअे वो गेसुअे सीयाह शाम हुये मेरा–गा०
जद मस्त मुजेह देन के होती हुअे जुदाई;
मागमुर मंअे हुस्नसे क्या नम हुअे मेरा–गाती.
करतीहुं पीलो नंसे मंअे रान्की परस्तीस;
कहेते हुयेजसे कुफ्र ओ ईस्लाम हुअे मेरा–गाती.

(खुश होना ईन्दर का और दरख्वास्त करना गानेके लीये)

जंन्नरा.

हुई सुब्होनीकल–तर्ज.

कयसे कयसे नवां माहपारा, गये छोड जहांका पसारा;
बडे बडे शाहेनशाहआली, गये ओजी हाथले खाली,ज
क्या सीकंदरो जम दारा– गये छोड.
हुवे हुवे पेहेलवां नेनामी, रुस्तमो ओ शामगीरांमी,ज
ऊठा कन्नने उनको दे मारा– गये छोड.
पुरे पुरे थे ईश्कमे कायेक, फरहाद ओ मजनुशायेक,ज
कोहो दस्त थे जनसे आवारा– गये छोड.
अछे अछे तबीबो हकीमां, नली नुस फलातु लुकमां,ज
आगे अजलके ना चला चारा – गये छोड.
कीये कीये हुन्नरो तसव्वर, जेहेआदवो मानी मुनव्वर,ज
शीकल मोतसे होना गवारा – गये छोड.
गये गये ओ गुलरु रंगीले, जुजी लरे ससापारसीले,ज
मेहजबीं शीसुंगर नन्नरा – गये छोड.

रहे रहे खुश शाद रखमें, आजेर गये वो मुल्के जफ़ामें, ख़
हमे "हरीफ़" तु जेसहारा – गये छोड.

(तारीफ़ करना ईन्दरने पुखराज परीकी और दरख्वास्त करना नीलमपरीकी.)

परज कालींगडा–ठुमरी.

ईन्दर–
खुज रीआया नाचके गाके, पहेलु में मेरे जयेठ तु आके.
खुश हुई तुजसे महफ़ील सारी, अब हये नीलमपरीकी बारी. खु.–

(आमद गाना नीलमपरीकी.)

झला–गजल.

सलामें आमदे नीलमपरी हये, सरासर ओ नज़ाकतसे भरी हये–स०
सीतारोंकी झपक बनती हये आजें, जो उस्के सरमें मलबुसे भरी हये–स०
गजब गाना हये और उस्का नाचना, कभी लेहरा कभी वो मुशतरी हये–स०
न देखा होगा नाच ऐसा कीसीने, जला हये सेहर हये जादुगरी हये–स०

(आना नीलमपरीका सलामें गाते हुवे और तस्लीम करना ईन्दरको.)

झला पीलु–गजल.

नीलमपरी–हुरोंके होश उडते हये उडनेकी शानपर;
नीलमपरी हमे नाम मेरा आसमानपर – हुरोंके.
अल्लाहके करमसे जमानेमें हये उरूज;
झुकता हये सर फ़लकका मेरे आस्तानपर–हु०

ईनसांफी क्या हुए असलके पुतला हुए जादुका;
बन जेल गते हुए तेरी उलफतमें बनपर-फ़रोंके.
नीलमको धुम मचाटके आंजोपे रजते हुए;
शोहरा हुए मेरा बौहरीयोंकी दुकानपर- फ़रोंके.
उडते नही हुए मेरी नजाकतपे कीसे होश;
रजते हुए फुल हाथ गुलीसतांमे कानपर- फ़रोंके.
बोहरा मेरे ख्यालमे घुन्ती हुए सरसहा;
मरते हुए तानसेन तरानें कीतानपर- फ़रोंके.
(खुश होना ईन्दरका दरवज्यास्त करना ओर गानेके लीये)

जंगला.

हुई सुब्हो नीकल-तर्ज.

नीलमपरी-

बसयीनमे ईश्क समावे, सो तरेहकी घुम मचावे;
हर शाखेमें ईश्क जपा हुए, कहीं जाहेर कही छुपा हुए, ज
जधर देखोउधर नजर आवे- सो तरेह.
दो कीस्मका ईशक हुए जानो, पाक ईश्क हकीकी मानो, ज
ओर मेजाज अयेश मनावे- सो तरेह.
मशहुर मसल हुए कीसीसे, गर ईश्क लगे मेंडकीसे, ज
पदमनी न मनको लावे- सो तरेह.
जस जशरपे ईसका साया हुए, उली चयेन नयोपाया हुए, ज
जेशुमार रंग उठावे- सो तरेह.

जुगजुगती गुलपे शैदा हुवे, परवाना शमअपे सदा हुवे,
कुरबान आपसको जलावे - सो तरेह.
सच्चे इश्क हुवे पढ़ता हुनरमें, तासीर करे पथ्थरमें,
पानी कर उसको बहावे - सो तरेह.
इश्क करते हुवे इन्सीनो वाही, मानो हुस्नकी अज़मतजाही,
ओ "हरीफ़" दीलकी सुनावे - सो तरेह.
(तारीफ़ करना इन्दरने नीलमपरीकी और दरख्वास्त
करना लालपरीकी.)

जला - ठुमरी.

इन्दर -
दीजो चुकी तु करताज सारे, पहेलुमें आजज ओठ हमारे - दि.
कीया सलामें तुने नाम, आज हुवे लालपरीका काम - दीजो.
(आमद गाना लालपरीकी.)

देस - गज़ल.

सलामें लालपरीकी सवारी आती हुवे,
ज़मानेरंग आज इन्दरकी प्यारी आती हुवे - सलामें.
शफ़कमें आयेगा जुमद नज़र सीतारोंका,
पेहनके सुर्ज़की पोशाक भारी आती हुवे - सलामें.
हसीन जलमके शाहीसे जील पडेंगे तमाम,
गुलोंके वास्ते जाद जहारी आती हुवे - सलामें.
(आना लालपरीका सलामें गाते हुवे और तसलीम करना इन्दरको.)

ढला पीलु-गजल.

लालपरी-

ईनसाफ काम हुस्नपे मेरे तमाम हये,
जोडा हये सुर्ख लालपरी मेरा नाम हये-ईनसाफ.
याकुत लर जवाहर हये सरकारका मेरे;
नौकर अकीक लाल जबरजदा गुलाम हये-ईनसाफ.
आशकको कत्ल करती कुं अबरूकी तेगसे;
दीन रात मुलको जुल्म दहलनेसे काम हये-ईनसाफ.
पोशाक मेरी सुर्ख हये मुखडा हये चांदसा;
देखो शफकमे रातको माहे तमाम हये-ईनसाफ.
सोजीपे मेरे होते हये मुरगे चमन कुलाल;
हर गुलको कस्त जागे नहांमे हरांम हये-ईनसाफ.
मीररीज खुनसे होता हये हरदम मुझे कुजबु;
करता लहु लगाके शाहीदोंमे नाम हये-ईनसाफ.

(खुश होना ईन्दरका दरख्वास्त करना औरगानेकी.)

जंगला.

हुई सुरजोनी कल-तर्ज.

लालपरी-

मनमोहन करे धींगाना, कहो पनघट कयेसे जाना;
कहे सखीयनसे पनहारी, चलो पनघट मीलकर सारी, क
नीर नीरमल भरकर लाना-कहो.

नारी नीकली अपने घरसे, तन मन धन फ़ुर ले परसे, ऊ
पहेन पातल अंग सोहाना- अहो.
सीस घडा हाथमें झारी, चली ठुमकत ठुमकत प्यारी, ऊ
ज्युं चले हाथी मसताना- अहो.
गोरी पतली कमर लचकावे, नयनसे मस्त नागन मलकावे, ऊ
देख आशक हुवा हम्मे दीवाना- अहो.
जा कुवेपे चंचल नारी, जल भरन लगी मतवारी, ऊ
सब साखीयां गावे गाना- अहो.
कहे सुंदरसे पीयु प्यारा, तेरी अदाने मुजको मारा, ऊ
तु शमअ मैं हुं परवाना- अहो.
जोली मोहनसे मतवाली, चल सरक न दुंगी गाली, ऊ
मत "हरीई" हमसो सताना- अहो.

(ताब्बरीइ करना ईन्दरने लालपरीकी ओर दर-
ख्वास्त करना सब्ज़परीकी.)

पीलु-ठुमरी.

ईन्दर-

कटी रात मजेहमे सारी, अच्छे मेरे पहेलुमें प्यारी-कटी.
जहांतलक ईतुने मन, अब हम्हे सब्ज़परीका ध्यान-कटी.

(आमद गाना सब्ज़परीकी.)

जोहाग-गज़ल.

आती नये अंदाजसे अब सब्ज़परी हम्हे;

लब सुर्ख हय्ये पर सब्ज हय्ये पोशाक भरी हय्ये-आती.
हीरोन उसे देखके जा लगता हय्ये हीरा;
चेहरेमे नरमुर्दसे सीवा खुस्वगरी हय्ये- आती.
नेचरकी हय्ये क्या शान चेहरेसे जहनपर;
अेक शाज हय्ये नाजुकके संगुओंसे भरी हय्ये-आती.

(जाना सब्जपरीका सभामे गाते हुवे और तसलीम करना ईन्दरको.)

कला-गजल.

सब्जपरी-मासमुर हुं शोखीसे सरारतसे भरी हुं;
धानी मेरी पोशाक हय्ये में सब्जपरी हुं-मासमुर.
क्या असर हय्ये सब्जेकी मेरी हुस्नके आगे;
हीरोनेसे खुश रंग जमरदसे जरी हुं- मासमुर.
ले लेती हुं दील आंख फीरीश्तोंसे मीलाकर;
ईनसां हय्ये जला क्या में नही जीनसे डरी हुं-मासमुर.
शोअला हय्ये लबुका हय्ये गजब हय्ये मेरा गुस्सा;
बलबलअे परीजाद ले मय्ये गर्म भरी हुं- मासमुर.
कस्दा न रखेगा मुजेह सुन लेगा जे राज;
शहेजादा अे गुलफामकी सुरतपे मरी हुं- मासमुर.
वो शामअ मय्ये परवाना हुं वो सर्व मय्ये कुमरी;
वो गुल हय्ये जहांमे मय्ये नसीमे सहरी हुं-मासमुर.

(आराम करना ईन्दरका और देखना सब्जपरीने जबकी भडे अजह कहेना ईस तरेहसे.)

ગઝલ-પીલુ.

રાજાતો સો ગએ દીઆ ન કુછ ઈનઆમ.
જતી હું મંએ બાગમે યહાં મેરા ક્યાકામ.

(જાના સબ્જપરીને કાલેદેવકો બોલાકર.)

બાબ પહેલા - પરદા છઠ્ઠા.

રાસ્તા.

(આના સબ્જપરીકા કાલેદેવકો લીએ હુવે.)

ગઝલ-પીલુ.

સબ્જપરી- સુનરે કાલે દેવરે તુ મેરી એક બાત,
આતીથી રાજકે ઘર આજકી મએ રાત.
શાહેજાદા યક બામપર સોતાથા નાદાન,
લેકન ઉસકો દેખકર નીકલી મેરી જાન.
ઊતરી અપને તખ્તસે તીર કલેને જાએ,
સોતાથા ઓ બેખબર હાથપાઉં ફેલાએ.
સુરત ઉસકી દેખકર દીલસે ગયા કરાર,
મુંહપર મુંહ મંએને રખા કીયા ખુબસા પ્યાર.
દીલ મેરા લગતા નહી મહફીલકે દરમ્યાન;
કાલેજ મેરા હુએ યાંહાં વહાં હુએ મેરી જાન.
ઉસકુ ગર તુ લાવે ઉઠાકર જલદી યાર,
લૌંડી મએ હો જાઉંગી તેરી બે તકરાર.

(पता पूछना आलेदेवने सब्जपरीसे.)

मनकुर- तर्ज.

आलादेव- घरमे रानके हुये तु सब्जपरीयोंकी सरदार,
तुजसे कर सकता नही हरगीज मय्ये इनकार.
तेरी जातेर हुये मुजसे सब्जसे यांहां सेवा,
पता जता मय्यशुकका लावुं जली ईस जा.

(पता जताना सब्जपरीने देवको.)

मनकुर- तर्ज.

सब्जपरी- सुन तु संगलदीपसे अखतर नगरमे हूं,
सोता हुये येक माहेरे लाल महेल पर वहां.
खत्ता मैं देआई हुं अपना ईसे नीशांन,
साजनगुंकी आजसे तु ईसकु पय्येछान.

(लाना आलेदेवका शाहजादेको लानेके वास्ते और सब्जपरीका लाना जागमे.)

बाब पहेला- परदा सातवां.

बाग.

(ले आना आलेदेवका शाहजादेको पलंगपर सोते हुवे और कहेना सब्जपरीसे.)

तर्भा ये.

आलादेव- लाया शाहजादेको मय्ये लाके हींदुस्तान,



तु अपने माअशुकको सब्जपरी पहेछान.

(जाना कलीदेवका ओर कहेना सब्जपरीका खुश होकर.)

मलहुर-तर्ज.

सब्जपरी- येही शाहजादा मेरा ओही हये मेरी जान,
ओ मेरा दीलदार हये ईसपर मंये कुरबान.

(शाहजादाका शाना पकडकर हीलाना.)

सोते हो क्या जे जबर छोड के घरबार,
जांजे जोलो लाडले नीन्दसे हो हुशयार.

(छुपजाना सब्जपरीका शाहजादेको जगाकर ओर उठना
शाहजादेका घबराकर कहेना आलमे हयेरतमे
पलंगपर बयठे हुवे.)

मनकुर-तर्ज.

गुलफाम- ओह मेरा क्या हुवा छुटा जी घर मेरा,
सोया था मेंजे जीस जगे आया हुं जहां.
ना वो मेरे लोग ह्यजे ना वो मेरी जगे,
ख्वाब मेंज्ये हुं देखता जग रहा हुं यां.
(उतरना शाहजादेका पलंगसे और कहेना ख्वा-बमे वील्ले रातमे.)

लखेरवी-गजल.

गुलफाम- घरसे यहां कौन खुदाके लीये लाया मुजको;
कीस सीतमगारने सोतेसे जगाया मुजको.
हाने क्या ख्वाब परेशांये दीखाया मुजको;
नजर आता ह्यजे न अपना न पराया मुजको.
नींदसे आंख कीसीकी न खुली होके पर,
कीसके मुल्कने खुंगलसे छुडाया मुजको.
ह्यहे सद ह्यफ कीसीने न खबर ली मेरी;
क्या अजलनेने मेरे दीलको लुभाया मुजको.
ताहमे मर्ग अब उम्मीद रेहा कोइ नहीं;
जीस बलामें मेरे अल्लाह फसाया मुजको.
(मुतहैयुर होना शाहजादेका.)

बाब पहेला – परदा आठवां.

मेहल.



(शाहज़ादेका बीतरफ़ देखकर कहेना.)

बेहाग – ठुमरी.

गुलफ़ाम – मुझे कौन घरसे लाया यांहां,
बतादो कोई हमें ये किसका मकां – मुझे.
सब बीछडे कोई संग न साथी,
अब्बाजानको अपने मैं पाउं कहां – मुझे.
दीलका कीसको हाल सुनाउं,
सरपर मेरे बाप न मां – मुझे.

(आना सब्ज़परीका नाज करते हुवे गुलफ़ामके तरफ़ और ताअज्जुब करना गुलफ़ामका उसे देखकर.)

गझल-पीलु.

सब्जपरी- देजो तुम मेरी तरफ़ घरका मत लो नाम;
छोडी मुजको जानकर करो यहां आराम.
जो होना था सो हुवा जानेदो जस जरूर;
चलो फीरो जाव पीवो करो जागकी सरूर.
जतलावो अब हसजो नसब और तुम अपना नाम,
रहेते हो कीस कोममे हयेगा कहां मुकाम.
गुलफाम- जीसवतमें रहेता हुं मंझे और अयश हय मेरा काम;
शाहजदा हुं हींदका नाम मेरा गुलफाम.
तु औरत कीस कोमकी हय अपना नाम जता;
ये दोनो शानोपर तेरे नीकला हय ये क्या.
सब्जपरी- कोमकी हुंगी मंझे परी समज न तु हयेवान;
ये दोनो पर हये मेरे अय मुरज नादान.
रहेती हुं मंझे काफ़मे सब्जपरी हय नाम;
राजा ईन्दर के वहां नाचे मेरा हय काम.
गुलफाम- जलदी ये जतला मुजे दीलको हय वसवास;
मेरा आना कीस तरह हुवा हय तेरे पास.
सब्जपरी- तुजपर मंझे आशक हुई चलतेचलते राह;
उठा मंगाया यांहा तुजे लेनके देव सीआह.
(घबराना गुलफामका देवका नाम सुनकर और
मनाना सब्जपरीका उसको.)

तर्जे रवी - भसनवी.

सब्जपरी- सरपे आंखोंपे कलेजेपे बीठाउं तुजको;
आ मेरे पास गलेसे मंय लगाउं तुजको.
दीलोजांसे मुजेह ल्वाती हय अदाअे तेरी;
पास ला चांदसा मुंह लु मंय बलाअें तेरी.
लेट पहेलुमें मेरे घरकुं मंय आबाद करूं;
तुजको लीपटाउं गले वस्लसे दील शाद करूं.
गुलफाम- वस्लकी तेरी कसम घरमे हय जाना मुजको;
न खबरदार अली हाथ लगाना मुजको.
मुजको नादान समज दुर हो दांना हुं मंय;
कोमकी तुजसे परी हयतो सयाना हुं मंय.
जेस्या तुजसी जमानेमे न होगी कनहार;
आप बदनाम हुई मुजसे छुडाया घरबार.
लेनकर देव मुजेह चीये जुलाया तुने;
आदमी जादकु फंदमे फसाया तुने.
सब्जपरी- कहदीजा हये मजाक अयेसी मुलाकातोमें;
चोंचले मुजसे बघारो न जरी जातोंमे.
शुक्र अल्लाहका कर खुल गई कीस्मत तेरी;
यक बयक मुजसी परीको हुई उल्फत तेरी.
तुजको दीवाने नहीं शर्म जरा आती हय;
ब्याजमेली कहीं छैन सांके परी आती हय.

देख पछेताओगा मेरा न्ने जुदा दील होगा;
वस्ल तुनकु न परीका कली हासील होगा.

गुलफाम- घरकु छुटनेका हुअे गम आहो झींगा करताहुं;
वस्लका वायदा ईस शर्तसे हां करता हुं.
सुनी ईन्दरकी सला मंअेने कहानीमें हुअे;
उसका अरमान मुन्हे न्ने शेन वानीमें हुअे.
ओर नलसोकातो हां हींदमेंली चरचा हुअे;
नाचे परीयोंका कली मंअेने नही देजा हुअे.
साथ अपने मुन्हेंले चलके वो नलसा दीजला;
रान ईन्दरके अजाडेका तमाशा दीजला.
सयेर मंअे तेरे सजज वांकीन्ने अेक जार करें;
कतेन्ने फीर न कली वस्लका ईनकार करें.
उम्मलर पाससे तेरे न कहीं न्नवुं मंअे;
न्ने कहे तु उसे आंजोंसे जन्न लावुं मंअे.

सब्जपरी- अयेसी बातोंका जबांपर नही लाना अछा;
न्नन आईतमें नहीं मुईत ईसाना अछा.
देता ईन्दरके अजाडेपे अजसन्नन हुअे तु;
सज्त बेअकल हुअे दीवाना हुअे नादान हुअे तु.
अयेसी न्न सअेरको ईनसान नही चलते हुअे;
वहां मेरी न्नन परीनदके पर नलते हुअे.
आईत या न्नअेगी तुनपर अरे अेक आनके जीये;

आदमीज़ादका क्या काम परस्तानके बीच.
कोई रोज़कु ज़रर ज़क लगा देवेगा;
फूंक देगा वो मुन्ह तुजकु जला देवेगा.
न जलाअेगा तो आफ़तमें फसाअेगा तुजे;
क़ैद करके वो कुवे बीच डुबाअेगा तुजे.
गुलफ़ाम- मंअे न मानुंगा न मानुंगा कभी बात तेरी;
काम किस रोज़के आवेगी मुलाक़ात तेरी.
बात ये असलथी मंअे अक़लसे पहेचान गया;
जाअेस फ़नकारका जानी मेरा दील बन गया.
तु किसी देवकी ख़िदमतमें वहां जाती हुअे;
इस लीअे मुजको सलामें नहीं ले जाती हुअे.
सब्ज़परी- बात हरगेज़ ये ज़बांसे न नीकालो साहेब;
होशमें आवो ज़रा मुंहकु संभालो साहेब.
देवसे मुजकु बुरा काम जे करना होता;
आदमीज़ादपे किसवासते मरना होता.
मंअे परी होके ओर अयेसेपे फ़िदा जान करुं;
अेकी चोटीपे मुवे देवकु कुरबान करुं.
गुलफ़ाम- दील हरअेक शख़्सका फंदेमें फसाती हुअे तु;
अअे परी क्युं मुजे बातोंमें उड़ाती हुअे तु.
मुजको होती हुअे मेरी जान कोई आनके बीच;
ज़ओरवी चलके सुना मुजकु परस्तानके बीच

वहां न लेजाओगी तो मुझे गुज़र जावुंगा;
आप मैं अपना गला काटके मर जावुंगा.
(गुलफ़ामका खंजर नीकालकर खुदका गला काटने चाहना,
छीन लेना सब्जपरीने उसके हाथसे खंजरकु और
फेंक देना ज़मीनपर.)

सब्जपरी- मुईतकी यारबराब अपनी जवानी तुने;
हाओ अफ़सोस मेरी बात न मानी तुने.
अब भी लेगा न अज़ीज़ोंसे न मां बापसे तु;
शीरके मुंहमें मेरी जान चला आपसे तु.
थक गओ होट कहांतक अरे समजावुं मैं;
चल अबाका तुजकु ईन्दरका दीदा लावुं मैं.
(जाना गुलफ़ामो सब्जपरीका हाथ पकडे हुवे.)

बाब पहेला- परदा नवां.

जंगल.

(आना गुलफ़ामो सब्जपरीका हाथ पकडे हुवे.)

ज़ीला-पीलु.

गुलफ़ाम- कीसतरह चलनेपे तैयार मेरी जान हुं मैं;
तु परीज़ाद हुओ चालाक और ईनसान हुं मैं.
उडके तु जाओगी अेक पलमें परसतानके बीच;
हाथ फ़ैलाके मैं रहे जाउंगा अरमानके बीच.

कोई भीड चलनेकी तदबीर जताहे मुझको;
पर कीसी देवके तु नीचेसे लाहे मुझको.

सब्जपरी– जहेकी जाते नकरो होशमें आवो झनी;
न परीझादकु जेपर के भीडावो झनी.

(ताली बजाना सब्जपरीका और नमुद होना
हवाई तख्तका.)

थांभलो पाया मेरे तख्तका अब हातसे तुम;
छुट जाना न कहीं राहमे पर साथसे तुम.
मुझसे वां चलके कोई बात न करना साहेब;
पीछे पीछे मेरे तुम नाचमे रहेना साहेब.
गाके और नाचके बुत सबकु बनादुंगी मंझे;
तुमको लेजाके दरख्तोंमे छुपादुंगी मंझे.
कीसी आफतमें जो कोई अगर आना झनी;
याद रखना के मुझको भुल न जाना झनी.

(उडजाना सब्जपरीका उपर तख्तके पत्थर पकडकर गुल-
फामका लटकजाना तख्तका ऊपर हवाके.)

बाब दुसरा – परदा पहेला.

दरबार.

लेकर आना इन्दरका तख्तपर बेठे हुवे मंझे दरबारीयोंके, आना सब्जपरीका गुलफामको लीये हुवे और पोशीदा



(करना जेऊ जालुपर.)

छंद.

सब्जपरी- सभामें बुलवाके मुझे आपदीया आराम;
आई हुं मैं फिर यहां करने अपना काम.

परन-ठुमरी.

मोरी अंखीया फरकन लागी;
कहां गयो यार कीधर गई सखीयां- अंखीयां.
नयेनन में दीलदार बसत हय्ये;
ये अंखीयां अलमास परखीयां- अंखीयां.
देह कुढत हये जीया तरपत हये;
प्रीत लगाई मनहु हम चखीयां- अंखीयां.

जलजल् जली मंझे जीस्ता हके;
जीये सलाके मोरी पत रंजीयां- अंजीयां.
(आना लालदेवका शोभले रे सामने ईन्दरके
शीकायत करना गुलफामके आनेकी.)

मसनवी.

लालदेव- महाराजको हुउ रंजे शाद काम;
नई अर्ज हुवे आज करता गुलाम.
मंझे जाताथा ईस दम चमनकी हवा;
हकीकत जो देखी के होश उड गया.
बशर हुवे पुराना जे शमशादका;
गुजर हुवे यहां आदमी जादका.
नही करती असल मेरी अकल काम;
वो ईनसान हुवे याके माहेतमाम.
कीसे कौन लाया यहां अपने साथ;
ईसी फीकरमें कजसे मलता हुं हाथ.
(मुनाजीत होना ईन्दरका तरफ दरबारीयोंके सब्जपरी-
का कहेना लालदेवसे आलमे यासमें.)

ज्वहन्स-मसनवी.

सब्जपरी- नजर लालदेव ईस तरहके कलाम;
अरे जे मुरव्वत नजां अपनी थाम;
जुदाके गनजसे नरा दीलमें कांप;

युगलजोरके मुंहकु डसते हुये साप.
परीकी तरह देव आदमके न जन;
जुदाईसे जानका जकौले हसन.
कीसीकी जदी तु न कर अयेज हुये;
के उसका जुदा आले भुल गयेज हुये.
दीले आशक ईस जातसे हील गया;
तुनेह हाये कुम्भजात क्या भील गया.
(पुछना ईन्दरका गनजमे आके लाल देवसे.)

मनकुर तर्ज.

ईन्दर- अरे देव तु हुये थेक्या जक रहा;
मेरे जागमें काम ईनसांका क्या.
हुआ कीस तरेह यां जशरका गुजर;
परीन्हों के दहशतसे जलते हुये पर.
कदम रज सके जनकी क्या जन हुये;
फरीशतों की यहां अकल हयेरान हुये.
कीसी देवसे आशनाई न हो;
परी कोई साथ उसको लाई न हो.
उसे जीये लापास मेरे शीताज;
के गुस्सेसे हुये हाल मेरा जराज.
(जना लालदेवका जजदीक गुलफामके औरपुछना गुस्सेसे
उसको जरना गुलफामका पीसे देजकर.)

मसनवी.

लालदेव- अशार हुअेके जन हुअेके साया हुये तु;
परसतांमें क्युं कर आया हुअे तु.
दीठा आंज कर नन्हे भुनसे जयां;
बीठाया तुन्हे लाके कीसने यहां.
चमनका कोई गुलके जुदा हुअे तु;
सीतारा चया जनके टुटा हुअे तु.
परीपर अे शायेद तेरा दील फ़ुवा;
अखाडेमे ईन्दरके दाखेल हुवा.
मेरे साथ चल नन्हे अये जेगाढीर;
बुलाया हुअे राजने अपने हुजुर.

(लाना गुलफ़ामको लालदेवका जीतेते हुवे रुबरु ईन्दरके और अर्ज करना.)

मसनवी.

लालदेव- हुजुरीमे हाजेर हुअे अे शोअले रु;
महाराज साहेब नीघाह रुबरु.
जब आपका हुकम लाया गुलाम;
चमनमें पोहोंचकर कीया अपना काम.
शजरके तलेसे उठाया ईसे;
सलाकी तरह जींच लाया ईसे.
डरा मुंजे न कुछ ईसकी फ़रयादसे;

उड़ा लाया कुमरीकु शामशाहसे.
सीतम कीजीये ले सजावार हय्ये;
बड़ा दस्त बस्ता गुनाहगार हय्ये.
(पुछना ईन्दरका गुलफामको गुस्सेसे सबब आनेका.)

ज्रहन्स-मसनवी.

ईन्दर- अरे कौन हय्ये तु तेरा क्या हय्ये नाम;
सभा मेरी की तुने बरहम तमाम.
तुन्हे कौन लाया यहां बद सीफ़ात;
बयां मुझसे कर नस्ह अेवारे घात.
कीया कस्द तुने परस्तानका;
न कोई आया अपनी तुन्हे जानका.
मेरी सारी महफीलकी ली आबरु;
यहां घुरने आया परयोंको तु.
बता हाल अपनेका अये दर्द नाक;
बलाऊन अली वर न कर दुंगा खाक.
(अर्ज करना गुलफामका हाथ जोड कर.)

पीलु-मसनवी.

गुलफाम- कहुं क्या ज़ुलमका सताया हुं मंअे;
यहां खेल कर जपे आया हुं मंअे.
परी सब्ज हय्ये जो अखाडेमे थां;
उसीका हुं दीवाना मंअे नीमजां.

सलाकी सदा धुम सुनताथा मैं;
ईसी शौकमे सरकु धुंताथा मैं.
जो जाने लगी जानकी शाज ने यां;
लटकुर कुया तख्तसे मैं रवां.
जलामें पडा यां गीरफ़्तार कुं मैं;
ने याहो सजा दो गुनाहगार कुं मैं.
(देजना ईन्दरका सब्जपरीकी तरफ़ नीगाहे गजबसे.)

हसन्स - मसनवी.

ईन्दर- अरी ओ परी सब्ज ओ जे हया;
मेरे सामने नहं आ बेसवा.
थुडी हओ तेरी नत खुनयादपर;
कुं आशक हुई आदमी जादपर.
जनाया अरी तुने ईनसांकु यार;
जडीले हसन सुन तु अय नाबकार.
तेरा रंग गयरतसे उडता नहीं;
तुन्हे कुया परीजाद जुडता नहीं.
सलामे लगा लाई ईनसांकु साथ;
तेरा अज गीरेबां हओ और मेरा हाथ.
(मारने याहना ईन्दरका सब्जपरीको छुडाना सलोने आनेकु डरके.)

परज - ठुमरी.

तोडे ठाकुं अन्जनमें-तर्ज.

सज - छोडो मालिकान मारो नाहीं जीरपाऊंगे;
ये पाप लगो शील के खातर - छोडो.
सगर दासकी अरज मान ले;
तुम हो दयालु मदावातर - छोडो.

(अर्ज करना सज्जपरीका ईन्दरसे सर झुकाकर और नादीम करना गुलफामकी गाले लीपटा कर.)

जलसा-मसनवी.

सब्जपरी - नहीं थो शीतमकी सजावार हुं;
हकीकतमें तेरी गुनाहगार हुं.
अरे क्युं मंजे यां तुजसे कहेती थी क्या;
न माना मेरा हाय तुने कहा.
जलसामें पडा आपकी जे जता;
मुजे हकी अजाबमें रुसवा कीया.
कहां हैं के अब देजु राज तुजे हुं;
खुदाकु मेरी जान सोंपा तुजे हुं.
जो जीते रहेंगे तो फीर मील जायेंगे;
नहीं तो कीयेकी सजा पायेंगे.

(लालदेवका दोनोंकुं जुदा करना और गुलफाम महाआह लेकर कहेना.)

जलसा.

गुलफ़ाम-हाये ईश्क़ पहीने हमारा, दीलकीया हमे पारापारा;
यारो ईश्क़ अजब अेज जला हय्ये, घुंटास दहाफ़ा ईसनेगलाह-
जेगुनाह हज़ारोंकु मारा- दील. (अेक
कहीं आशक़ बना हय्ये फ़क़ीर, कहीं माअशुक़ बन हुवा ज़ाही-
कहीं छुपा कहीं आशकारा- दील. (२, क
कहीं शोख बना हय्ये फ़रेबी, कहीं देता खबरें गयेबी, क
कभी रीन्दोमें बने पुकारा- दील.
मनसुर को सुली पे चढाया, सरमस्तके सरको कटाया, क
और शम्सकी खाल उतारा- दील.
मजनुको बन बन फीराया, फ़रहादने तेशा खाया, क
लयेला शीरीं पे जुल्म गुज़ारा- दील.
छेलबटाउ मोहना रानी, नल दमनको कर दीया फ़ानी, क
राजा हीरको करके आवारा- दील.
जो दामे ईश्क़में फसा हय्ये, कभी रोया कभी वो हसा हय्ये, क
जे "फरीद" कहे वे जी प्यारा- दील.

(गुलफ़ामका गीत करना अपनी कीसमतका.)

भयेरवी-गज़ल.

तुनकर अपने लीये- तर्ज़.

गुलफ़ाम- हमने कर बयेठे लजा तदबीर अपने हाथसे;
आप उलटी खुद बाझुद तक़दीर अपने हाथसे- हमने.
कर लीया सामान्ने दीलमें ईश्क़का अेज फ़रते शौक़,

जुदई पेहनी पावुंमे जंजीर अपने हाथसे - हमने.
हाथसे यो सामानेक ओजे ईश्क सज जता रहा;
जसद था हमने कीया तासमीर अपने हाथसे - हमने.
हाशा अल्लाह हुअे नही ईस माहवशका कुछ कुसुर;
कर दीया मंअेने ईसे दीलगीर अपने हाथसे - हमने.
सब्जपरी - आहो जरीसे जला होगा तुम्हे अजसयाहुसुल;
नजडे कर जअेठ तुम्हे तकसीर अपने हाथसे - हमने.
कयुं न हो तशवीश दीलको अब कमाले दारोगीर;
मुदत जो डाले जे ओई तोडीर अपने हाथसे - हमने.
कया करें कीसमतकी खुबीका जयां हम अंअे "हरीफ"
हलकरो सज मुशाफीरोंको वीर अपने हाथसे - हमने.

(केहेना ईन्द्रका लालदेवसे गुलफामकी गिर-
फतारीके लीअे.)

जहन्स - मसनवी.

ईन्द्र - अरे देव कर कस्द जेदादका;
पकड हाथ ईस आदमी जदका.
हुवा ओन्ले हुअे काफमें पुर जतर;
अली जाके ईसमे ईसे कयेद कर.
परी सब्ज हुअे जे अे आणे जडी;
जता की हुअे ईस जेस्वाने जडी.
सो नु नोयेकुर ईसके पर और जाल;

અખાડેસે મેરે જલ્દી દે નીકાલ.

(બખશીશ ચાહના ઇન્દરસે ગુલફામો સબ્ઝ-
પરીકી સબ દરબારીયોંને.)

ઝલ્લા કલ્યાન - ઇંગ્રેજી તર્જ.

ઝઓ ઝઓ આદમ - તર્જ.

સબ - બક્ષો તુમ ઇનકી શાહ મેહેર કર ખતા,
અર્જ હે હમારી હઝોગી તુમસે ખર મલા.
સબ્ઝપરી - અપને કીએપે ખીંચી પશેમાની બેશુમાર,
લીલ્લાહ બક્ષો અબતો ખતા હું મંએ શર્મસાર -
સબ - બક્ષો.
ઇન્દર - કહબા ગુનાહ તુને તો હમ્સે અયેસાહી કીયા,
હરગેઝ ન તુઝકો બક્ષુંગા હો દુર બેહયા - સબ - બક્ષો.
પુખરાજપરી - સીનેસે અપને કીના કરો સાફ રાજજી,
લાલપરી - જો કુછ હુવા સો ખયેર કરો માફ રાજજી - સબ૦
નીલમપરી - કરદો રેહાઇ ઇનકી અબ શાહે ખુશ ખીસાલ,
કાલાદેવ - દુન્યામેં નામ આપકા રોશન હોજ્યું હીલાલ - સબ૦
લાલદેવ - ઘબરા રહા હું અબતો અયે શાહે નામવર,
દો હુકમ બખશીતાજ જલ્દ લાવુ ખુદતર - સબ - બક્ષો.
ઇન્દર - સબકા સખુન મંએ રખતા હું દેયઅબ તુમ - સબ-
પર નોચકર નીકાલદે ઇસકી એહી સઝા. (બક્ષો.
સબ્ઝપરી - લો આખેરી સલામ "હરીફ" તુમ મેરા યેહી,

इन्दर-याअलेकु मुस्सलाम येलो नवलबल-सज-जस्सो.

(लेना सब्जपरीका, गुलफामका उसकी नुदाईमें
आह करना.)

सारंग-गजल.

आया कहांसे कां गया - तर्ज.

गुलफाम- नलवा देजाके कुस्नका ओ सीमजर गई,
लाला सा दाग दीलपर मेरे आह कर गई-नलवा.
अजर कमां तीर मीजे येस्म पुर सेहेर,
हर येककी अदा जता नाव्हक कमर गई- नलवा.
सोने हीराक सीनेमें मेरे लडक उठी,
कीयुं के नुदा हो मुनसे वो पेशी नजर गई-नलवा.
कीस्से कहु मंजे हाले दील अपना ल अजे "हरीह",
ले दर्दमंदथी ओली नरीअे नसर गई- नलवा.

(हुकम देना इन्दरका लालदेवको गुलफामको कयेद
करनेके लीअे.)

परज-कुमरी.

तोहे डाकु अन्नजमे - तर्ज.

इन्दर- सुन देव इसे अज यहांसे नीकाल;
कर कओद अंघेरे कुवेमें डील हाल-सुन देव.
जोहे सीतम ले इसपे गीरादे;
सती नराहकी इन्ने दे इताल- सुन देव.

(गुलफ़ाम का आहो ज़ारीसे सबको सलाम करना.)

ज़ला - गज़ल.

ईस आलमे उलफ़तमें - तर्ज़.

गुलफ़ाम - मेरे हो असीर जाता हुं हमज़ार को सलाम,
और जारगाहे शाह को मुख्तार को सलाम - मेरे.
तख्ते ज़मुररद ताज को हशमत को जाह को,
परीयोंको और देवोंको दरबार को सलाम - मेरे.
ईस जनम को सलाम और अयेशो नशात को,
राहत को ज़ुकसो नग मये तरार को सलाम - मेरे.
ज़ुलमो सीतम और शाहके असतारको करम को,
ईस आसीये फ़कीरका सरकार को सलाम - मेरे.
जनमे नशीं तमाम को आजेर हुअे अये "हरी",
दुशमन अजज़ दोस्त गमख्वार को सलाम - मेरे.

(लेजाता लालदेवका गुलफ़ामको जीयेते हुवे.)

बाब दुसरा - परदा दुसरा.

रास्ता.

(आता सबज़परी का हमरा परीयोंको लीये हुवे.)

जंजरा.

सबज़परी

मोहे छांड कहांको सीधारा, जहलाल मुसाफ़ीर प्यारा



દે દગા ગયા પરદેસી, દીલ લગીકે અયેસી તયેસી, જી
કેહા ગયા વો શોખ શરારા- નંદ.
કીધી પ્રીત પંછીની સાથે, મારી પગમાં કુવાડી હાથે, જી
કેવા દુસ્ટ કરંમ છે મ્હારા- નંદ.
ગેલા નીઘુન કેનાચે દેશાલા, કુઠે પાહાવું જતાં મીત્યાલા, જી
પંડીતાસ ન્હવું વીચારા- નંદ.
નીન સીવાએ અંનાનીરે, ગંદલ દગા એડી અલદુ, જી
જ્યાં જનતુ ટુટી નન યારા- નંદ.
અએ મહેરે દર જશાં દીલે મન, વાયે જુલજુલે દીલેમાં ગુ-
જયાં "હરીર" મકુન આવારા- નંદ. (તશાન, જી
(પુજરાજ પરીકા તાલાશો યારકે લીએ સબ્જ પરીકો પતા દેના.)

जवाब.

पुखराजपरी-

मान लेगंन कहेना हमारा, मील न लेगा ओ तेरा प्यारा
रूम शाम रूस और ईरां, मावरुन नेहेर मुल्के तुरां, ज
तालाश जल्जो जुजारा- मील.
तातार चीन माचीनमें, और खता खुतनकी जमीमें, ज
ईन शाहेरोंमें होगा आवारा- मील.
नेपाल मुलतां पीशावोर, कशमीर अंबाला लाहोर, ज
दकन देहली आगरा सारा- मील.
फ़रुखाबाद बरेली कानपुर, लखनउ बनारस जौनपुर, ज
कलकत्ता नागपुर न्यारा- मील.
जबलपुर गवालीयर सागर, ईंदोर खानदेस न्यागर, ज
शोलापुरमें होवे जीयारा- मील.
हैदराबाद मदरास मयेसुर, गुलबरगा शरीफ़ो बींगलु
रु धुल्ले पुना सतारा- मील. (र, ज
फ़ीर थानेमें आ दीवानी, मुंबईमें हो दीलजानी, ज
औ "हरीफ़" सीतम शआरा- मील.

(दीगर पता देना लालपरीका.)

जवाब.

लालपरी-

कर लेगन हरसु पुकारा, शायद मीले तेरा मह्रपारा;

पहले देख पालवा अंदर, फीर देख डीलेके अंदर, ज
जोरी अंदर मस्जेदान सारा- शायद.
मारकीट हनुमान सेरी, धोली तलावुपे कर फेरी, ज
चंनीवाडीमें होवे गुल्नरा- शायद.
चीरा जल्नर फेनस वाडी, गीरगावुं व रेपावाडी, ज
पांनरापोलमें हो दुल्यारा- शायद.
ज्न देख भुलेश्वर चकला, मामादेवीपे हो रंगीला, ज
पायेधोनीपे होगा जीयारा- शायद.
लीडीजल्नर मेमनवाडा, लायजालानवानागपाडा, ज
ऊंडी डोलपे हो आवारा- शायद.
कमाट पुरेका हर येक सत्ता, सफेद गलीमें होगा लटकत्ता, ज
होटलोमें कर तु नल्नरा- शायद.
तालाश नाटकका सारी, मीट जावे तेरी नाचारी, ज
पावे "हरीफ" को दीलआरा- शायद.

(जना सजपरीयोंका.)

जाज दुसरा- परदा तीसरा.
नंगल.

(जाना लालदेवका गुलफामको जंजरोंमे जकडे हुवे लेकर कुवेमें कैद करनेके लीये ओर गुलफामका बाद माजरुकमें गम करना.)



जंगरा.

गुलइाम-

तलपे हुऐ यहां तेरा साजन, कहां छोड गंई जनगरन,

अये शीरी हुंन यश्म अइसु, रेरहा हसा कुमंऐ मइतु,

मोहे जता तेरा जाला गेजन- कहां. (क

जीन तेरे चयेन ना आवे, तेरी याद न जसे जवे, क

जपु नामकी नीत तेरे सुमरंन- कहां.

अये रशाई मसीहा मेहरजां, जीमार तेरा हुं नीमजां, क

नाही र्दलाज दुजजीन दरशन- कहां.

नहजीर कर्इं मे हुजरां, तकदीर हुंसे होनाजां, क

क्या जागमे मेरे दीजा जयेन- कहां.

અયે જનમી રઈઝાં આવો, ગમે ઈશ્કસે મુઝકો છુડાવો,
કહું "ફરીદે" મંએ કુજ તલક કથન-કહાં.

(ગુલફામકા હાલે ઈશ્ક બ્યાન કરના.)

જોહાગ પરજ-મરસીયા.

ગમ નહી માહ આયા અજીજને-તર્જ.

ગુલફામ- ઈશ્ક યક નાગહાની બલા હય હાએ,
ઈશ્ક આફત નહી જહર ભરા હય હાએ.
રાહ ઈશ્કમેં જો કોઈ ચલા હય હાએ,
આખેરશ ખાકમેં વો મીલા હય હાએ.
ઈશ્ક હાસિલ દેના હસ્ત અજીજાં,
ગુફ્ત મેં અજ જનાબ વ ગીરીયાં.
હાએ. ફુરકત વાએ ઝહમત,
હાએ દેખો હાલત પરેશાં.
હાયે ફુરકત હાએ ફુરકત વાયે-ઈશ્ક.
ઈશ્કને જો તરફહલા ફસાયા હાએ,
વો ન દેખાયા ઈસને દીખાયા હાએ.
સો ને ફુરકતસે તન મન જલાયા હાએ,
આખેર યાહ અલમ મેં સુલાયા હાએ.
ગર કુનદ ઈશ્ક બા કોસ યારી,
હયે ચ ન યારેત જનુન આહો જારી.
હાયેરે બખ્ત વાએ ફુરકત,

कहे "हरीरे" हो नालां.
हाये फ़ुरक़त वाये फ़ुरक़त वाये - ईश्क़
(लेन्नना जालदेवका गुलशामको जीयंपते हुवे हुयेमें.)

बाब दुसरा - परदा चोथा.

लगन.

(आमद गाना लगनकी)

कल्यान - गज़ल.

उस सज धजमें - तर्ज.

लगन आती हुवे परी जनके परस्तानके जीये,
सुमरने हाथोमें मुंदरे हुवे पडे कानके जीये - लगन.
सरपे ओंडयाही रखे मुहपे रमाई हुवे ललुत,
सखेलीयां डाली हुवे गरदनमें गीरेबान के जीये - लगन
चाल मतवाली हुवे आंखे हुवे मये ईश्क़से लाल,
मस्त शाहज़ादे गुलशामके हुवे ध्यान के जीये - लगन
(गाना सब्ज परीका गम्जेरवी लीबासमें.)

लगेरवी - ठुमरी.

लगन - मगेतो शाहज़ादेकु ढुंडन चलीयां,
संग ललुत लगन जन मलीयां,
छान डीरी सब गलीयां रे - मगेतो.
लव लगत हये डर नही आवत,

હમ મહેલોકે પરીયાંરે - મંઝેતો.
સીસ જીઉસગયો પાણી ઢલસગયો;
ધુપમે જનજન ચલઆંરે- મંઝેતો.
લટ છટકાકે લેસ જનાકે;
દેસ જહેસ નીકલીયાંરે- મંઝેતો.
તન કુમલાગયો મુખ મુરઝાગયો;
નઝેસી ગુલાબકી કલીયાં- મંઝેતો.

(આના કાલેદેવકા ઔર સુન્ના બગૈર ગાના બેગનકા બનના યહાંસે.)

બાબ દુસરા - પરદા પાંચવા.
દરબાર.



(आना गुलेदेवका रंजसे ईन्दरके और तअरीफ़ करना लोगनकी)

आसावरी-मसनवी.

गुलादेव- जुदा राजाकी रंजसे शादमां,
ले लोग जजशीतो जोलु लजां.
परस्तानमें लोगन एक आई हुए,
जलायेक सब उसकी तमाशाई हुए.
वो हुए नाचती गाती ईस आनसे,
के लोग सहदे होते हुए सोलानसे.
मसी हुए ललुत और अईशां चुनी,
न देखी हुए लोगन न असेसी सुनी.

(हुकम देना ईन्दरका मुशताक होकर.)

मनकुर - तर्ज.

ईन्दर- न कर देर अब्दे देव जेहरे जुदा,
अजाडेमें मेरे उसें लाके ला.
मंबे देखु वो लोगन हुए कीस शानकी,
परी हुए वया कीस्म ईनसानकी.
कीसी देव जनकी सताई न हो,
मेरे पास फरयाद लाई न हो.
न लाये वो कुछ और दीलमें ख्याल,
दीजाये मुझे आके अपना जमाल.

(लाना गुलेदेवका तसलीम करके.)

બાબ દુસરા - પરદા છઠ્ઠા.

જંગલ.



(જાના સબ્જપરીકા ફીરાકે ગુલશનમેં ભટકતે હુવે.)

કાલીંગડા-ગઝલ.

અગરહુમ જાગમાં - તર્ઝ.

જોગન-કહાં પાવું તુઝેહ દીલબર કીધર જાવું કહાં ઢુંઢું,
તેરે બીન હાલ હયે અબતર કીધર જાવું કહાં ઢુંઢું-કહાં.
તેરી ફુરકત સતાતી હયે ન શબકો નીન્દ આતી હયે,
ન દીનકો ચયન હયે દમભર કીધર જાવું કહાં ઢુંઢું-કહાં.
પરેશાં હાલ ફીરતી હું બયાંબાંમે ભટકતી હું,
ચેઝ હયે અબ જનુ સરપર કીધર જાવું કહાં ઢુંઢું-કહાં.

शमअरि तु मंअे परवाना जता सुरत तेरी ल्लना,
तस्दुक ताऊं हुं तुनपर डीधर लवुं कहां हुंडुं-कहां.
"हरीई" अज क्या करे तदजीर नही काम आती हयेतकदीर,
कहां अब लेके शेउं सर डीधर ल्लवुं कहां हुंडुं-कहां.

(आना कालेदेवका और पअेगामें ईन्दर सुनाना)

आसावरी- मसनवी.

कालादेव- अरी लेगन अज दीलमे हो अपने शाद,
कीया हुअे तुनेह राल ईन्दरने याद.
कीसीसे तेरा सुन लीया हुअे ले हाल,
मुबाकातका शोक उसे हुअे कमाल.
मेरा देह करना उसे शाक हुअे,
तेरे नाअेशानेका मुशताक हुअे.
मुराद अब तेरे दीलकी बर आअेगी,
ले मांगेगी वो चीज मील लअेगी.
न कीर कीम्मलर तु करेगी सवाल,
वो अेक दममें कर देगा तुनको नेहाल.

(नयाज देना लेगनका कालेदेवको तअनो लगावटसे)

मलकुर- तर्ज.

लेगन- अे जातें न लाना लजांपर कली,
कीरीरोंसे अछी नही दील लगी.
जब वो मेरा देने वाला हुवा,

खुशामदसे मुह तेरा काला हुवा.
फकीरोंको दौलतकी परवा नही,
यहां हरएकआईनलससे क्या नही.
जो गानेका राज तलबगार हुवे,
तो यां कीसको चलनेमे इनकार हुवे.
(जाना जोगनका कालेदेवके साथ)

बाब दुसरा- परदा सातवां.
दरबार.



(आना कालेदेवका लोगनको लीऐ हुवे.)

पंचम-मसनवी.

कालादेव- महाराज कीने घेघर अज नीघाह,
ऐ लोगन हुऐ हाजर जहांसे तजाह.
मीला कीस जगासे घेसका नीशां,
हुवा मंऐ परसतांमे हरसु रवां.
ब्होत नन्दजीनमतमें आया हुं मंऐ,
अंजाडेमें लोगनको लाया हुं मंऐ.

(पुछना घेन्दरका लोगनसे.)

मनकुर- तर्ज.

घेन्दर- अरी लोगन अये दईकी मुजतेला,
फकीरोंका क्युं लेस तुने लीया.
दीवा कीसपे हुऐ कीसपे शयेदा हुऐ तु,
कोई आदमी हे परी या हुऐ तु.
कहांसे यहां तेरा आना हुवा,
के मुशताक सारा जमाना हुवा.
कीसे ढुंडती फीरती हुऐ कुजकु,
ऊडाती हुऐ रंगलकी क्युं जाकु तु.

(जवाब देना लोगनका घेन्दरको जगम.)

मनकुर- तर्ज.

लोगन- माहाराज पुछो न लोगनका हाल,

इकीरोज दील दर्दसे हुओ नीढाल.
मेरा मुजसे माअशुक हुओ छुट गया,
मेरा रान ईस देशमें लुट गया.
यहां ढुंडने उसको आई हुं मंओ,
जी रोगन हुं गमकी सताई हुं मओ.
सुनाती हुं गाना जो हुओ मुजको याद,
अजब क्या जो मील जाओ दीलकी मुराद.
अगर रागसे गओर हो दीलका हाल,
न जोगनका रद कीजओगा सवाल.
(गाना जोगनका हस्ब हाल अपने.)

जंगला.

जोगन- जब मुर्गे सहर ललकारा, जेप लाद गया जंगला.
देजो जाती उमर लोलापन, कर तन्हा गये मुजेह साजन,
जल जावो अ जोबन सारा-जेप.
क्या पीयाने दीलमें ठानी, जो मुजसे कीई बेईमानी,
कीस सौतनने मारा जज्जा- जेप.
कहो कोन दीसा अब जावुं, कीस तरह पीयाको पावुं,
कहां कहां करीं जपुकारा- जेप.
ढुंडी उत्तर दख्खन जालम, धुमी सारा पुरब पछ्छम,
कहीं मीलान प्रीतम प्यारा-जेप.
अजे सजा पीयुसे कहेना, हुओ कठन तेरे बीन जीना.

जे मया छस्कने मारा-जेप.

क्या जयां हो रंजोगमका, ना रहा लरोसा दमका, ल्ल
कोई घडी हो कुये हमारा-जेप.

जस ल्याहासता मत प्यारे, आ लपट गलेसे हमारे, ल्ल
हम्जे "हरीइ" गमका मारा-जेप.

(छरशाद करना छन्दरका लोगनसे दीगर गानेके लीये.)

ठीलेटी-ठुमरी.

परदेसन लुगनी-तर्ज.

छन्दर-

करशाद हमे अज लोगनती, मतवारी पीआरी लोगननी-कर
ये हुकम हम्ये सुनतु हमारा, मुशताक हम्ये मनमा सारा,
कुछ सुना रागरंग प्यारा, ता होवे अे नलसा रौशननी-कर.
हो गबल रेजता मुजम्मस, मुसमीनो सोले मुसद्दस,
कतअ रुई रेजाई मुसलसस, सज राग रागनी दुरहननी-कर.
कत्यान धुरपत प्यारी, जमांये हुमरी न्यारी,
जेहाग लख्जेरवी सारी, दरसाई हम्की सुमरननी-कर.
देज हुस्न तेरा यकताई, तुजी यतली मेरी लेहराई,
हम्जे "हरीस्की" तुनको दोहाई, स्जन मेराअे गुलशननी-कर.

(रक्स करना लोगनका.)

मनकुर-तर्ज.

लोगन-

मेरी दुलडी कीसने चुराईनी, मतवारी पीआरी दुलडीनी-मे.
कुनदनकी जनीथी दुलडी, हीरोंमे चुनीथी दुलडी,
ओ चन्द्र मुनीथी दुलडीनी, थे मोती उसमे जडाईनी-मेरी.
मेरे गलेकी मोहनमाला, ले गई कोई हलाला,
जुदाकरे मुंह उसका काला, कहो कीसने उसको छुपाईनी-मे
लावो लावो दुलडी मेरी, न तो सुनोगे तेरी मेरी,
कुं "हरीइकी" मंने चेरी, होजायेगी नाहक जुदाईनी-मेरी.

(खुश होना इन्दरका देना गीलोरी पानकी नवाज देना
नेगनका मशकुर होकर.)

नसर.

नेगन-पान लेके क्या करें कीसी सब्ज रंगका ध्यान हये,
हडीयां चुना हये जहन धान पान हये.
इश्क लकु पीपीके रंग लाया हये,
हीराकने कलेजा जीका उठाया हये.
गीलोरी लीजे मुन्हे क्या तकता हये,
इकीरोका मुह कोन कील सकता हये.

(गाना नेगनका हीराके यारमें.)

भयेरवी-ठुमरी.

नेगन- कहां गयो शाहजादा बनी पयारा,
दील तडपे रे हमारा- कहां.
वाका पता कही लागत नाही,

ढुंड फीरी जन सारा - कहां.
जीन लनी के ईन नयेननमें,
रश्नेन दीन अंधीआरा - कहां.
ग्यानमे नयेसे सुर्ज भछरीआं
तडपत होणा जीयारा - कहां.
कोई कहे उस्ताहदसे लकर,
तुमरे हमको सहारा - कहां.

(दुजारा जुश होना ईन्दरका और हार देना और नवाज
देना लेगनको.)

नसर.

लेगन- हार लनहार नलुंगी दीलको जार हुए,
अपना गुल ओनरगलेका हार होतो बहार हुए.
राजके दोरमें पल्लेसे आई हुं, जो मांगुसो पाउं.

(कोल देना ईन्दरका लेगनको शाद होकर और लहेर होना
छुपे हुवे लीबासमें लेगनका.)

लयेरवी - गजल.

सज्जपरी- होता कोई आनमे अज काम हमारा,
ईन आमभे दीने हमे गुलफाम हमारा-होता.
अज चाहसे युसुफको नीकलवायो हमारे,
घुटना हुए अंधेरेमें दीलाराम हमारा-होता.
आशकने तेरे मांगलीआ राजसे तुजको,

देखाओ कोई उसको ओ पओगाम हमारा-होता.
आ नओ अगर यारको छातीसे लगातुं,
सीनेमें तपां हुओ दीलेना काम हमारा-होता.
मंगवाईओ शाहजादेको जब देर न कीने,
नाम आपका हो जबकुभें और काम हमारा-होता.
(केरमाना ईन्दरका लालदेवसे गुलफामकी रेहाई केलीओ.)

आसावरी-मसनवी.

ईन्दर- अरे लालदेव ईस तरह न कर आ,
जग सुनको लोगनने धोका दीया.
जनावर कीथी सारी जादुगीरी,
नही आदमी हुओ सब्जपरी.
ईसे तरकी ख्वाहेश न थां लाईथी,
छुडाने गीरफतीरको आईथी.
कली ईसको मीलता नवो गुल ओलार,
मगर कौल हारा कुं मंओ तीन बार.
नीकाल अब कुवेसे तु गुलफामको,
हवाले कर ईस नेक अंजामको.
(जना लालदेवका सरपीटते हुवे और जाना गुलफामको और जगलगीर होना आशको माशुकका.)

भैरवी-गजल.

सब्जपरी- कहरथा हीजर क्यामतथी जुदाई तेरी;

मेरे जातेकने मुल्के शकल दीखाई तेरी.

गुलफ़ाम- जाफ़ हये मुहपे मली जाल हुये सरके बीजरे;

हाये ईस ईश्कने क्या शकल बनाई तेरी.

सब्जपरी- मुलपे होनाथा ले कुये होगयाउसकानहीगम;

होगई क्येदे मुसीबतसे रेहाई तेरी.

गुलफ़ाम- अच्छे तेरे हाथ लगा तु मेरे फ़ंदेमे फ़सी;

मेरा मतलब हुवा उम्मीद बर आई तेरी.

सब्जपरी- हये तमन्ना ये मेरे दीलमे के अब हश्र तलक;

फ़ज़ले खुदासे देखुं न जुदाई तेरी.

(भीलाना हाथ गुलफ़ामो सब्जपरीका शाल ईस्मने जा खुशी
और मुबारकबाद गाना सत्तोने खुशवक्तीमें)

लखोरवी-गजल.

सब- शादीये मुलवस्ले गुलफ़ाम मुबारक होवे,
ऐयेशो अशरतका सरनजाम मुबारक होवे.
जाद मुरत के हसीनोका नसीबा जागा,
ईशो राहतपे अब आराम मुबारक होवे.
पी युके खुने जगर हीज्रमे जो लरलरके,
शरबते वस्लका अब जाम मुबारक होवे.
हुर जन्नतको मुबारक हो फ़लकको तारे,
बागको गुल हमे गुलफ़ाम मुबारक होवे.
जेल पुरा हुवा जा रकसो सुरूदो खुशासे,

અહલે મહફીલકો અજ આરામ મુબારક હોવે.

તમામ શુદ્ધ.

મેહેતા જમનાદાસ ભગવાનદાસની કુંપનીએ પ્રગટ કરેલાં પુસ્તકો.

વારતાઓના પુસ્તકો.

ગીરધર કૃત રામાયણ. ૨-૮-૦
ત્રણધર આખ્યાન. ૧-૮-૦
મદાલસા આખ્યાન. ૦-૮-૦
સ્ત્રી વિલાસ ગરબાવણી. ૦-૮-૦
રજપૂત અને ચંદ્રપાળની વાર્તા. ૦-૨-૦
સજ્જનતા મેળવાના સાધન. ૦-૨-૦
પાર્વતિ લક્ષ્મીજીનો સંવાદ. ૦-૧-૦
ફીડલ શીખ્યાની ચોપડી. ૦-૮-૦
ક્રીકેટ ગાઈડ. ૦-૧-૦
દરેક માણસ જાણે વૈદ. ૧-૦-૦
કલગી ગાયન સંગ્રહ. ૦-૧૨-૦
મુરખાની વારતા. ૦-૧૨-૦
અભીમન્યુનો ચક્રાવો. ૦-૮-૦

ઉરદુ હરફમાં છાપેલાં પુસ્તકો.

તોહફએ દીલગીર (જનલશ). ૦-૧-૦
ગુલશને બાહાર અફઝા. ૦-૨-૦
નકશે સુલેમાની. ૦-૨-૬
અન્જમે સબાવત. ૦-૫-૦
અલીબાબાને ચાલીસ ચોર. ૦-૩-૦
ગુલશને બેહાર. ૦-૩-૦
ગુલશને બેજાર. ૦-૩-૦
લયેલી મજનુ. ૦-૨-૦
નયરંગે ઈશ્ક. ૦-૪-૦
દાદે હરીઆ. ૦-૩-૬
નતીનએ અસ્મત. ૦-૩-૦
ગુલફશાને બેનઝીર. ૦-૪-૦
અક્સીરે આઝમ. ૦-૪-૦
ગુલેબકાવલી નઈ. ૦-૪-૦
હાતમતાઈ. ૦-૪-૦
નાકમુદ્રદીશફગન નવી. ૦-૪-૦

નાટકનાં પુસ્તકો.

ગુલશને બેજાર ઉર્ફે તમાશાએ પુરબહાર (જેમેની અંદર ઉર્દુ ખેલો, બેતબસા, ઠુમરીઓ, ગઝલના ગાયનો, તથા મુશાએરાઓમાં ગવાતી રેખતા ગઝલોનો સંગ્રહ કીધો છે. ૧-૪-૦
ચંદ્રસેન ને ચંદ્રપ્રભા નાટક. ૦-૬-૦
બ્રંદા કુંજ હરી. ૦-૬-૦
છેલ સેલાણી અને વિક્રમ ચરીત્ર નાટક. ૦-૬-૦
તમાશાએ નાઝનીનએ અસ્મત. ૦-૬-૦
અન્જમે સબાવત (ઉર્ફે બાદશાહ ઓ દાર દોસ્ત.) ૦-૫-૦
ચંદન મલ્યાગીરી નાટક (પાંચમી આવૃત્તિ.) ૦-૪-૦
તમાશાએ ચાંદબી. ૦-૪-૦
મકબુના (ઉર્ફે અફસરે ચેરતાર.) ૦-૪-૦
ગુલશને બેહાર (ઉર્ફે શીરીં ફરહાદ) ૦-૪-૦

ગોહરે યે દીલફરોશા (ઉર્ફે નઈ ઈન્દર સભા)	૦-૩-૦
સોનલે અસર અથવા મોહન કુંજ દર્શીક	૦-૩-૦
નયરંગે ઈશ્ક.	૦-૪-૦
નકશે સુલેમાનીનો ગીરદુજોલ.	૦-૩-૦
ગુલશને જાફાર અફઝલ (ઉર્ફે નઈ ઈન્દર સભા)	૦-૨-૦
ગુલે બકાવલી નવી.	૦-૪-૦
અલમે સુખન (ઉર્ફે તીરીયા ચરત્તર).	૦-૩-૦
ગુલશને બેખાર (ઉર્ફે બુલબુલે બીમાર)	૦-૩-૦
અલીબાબા ચાલીસ ચોર.	૦-૩-૦
ઘાટ દરીયા (ઉર્ફે બાદશાહ ખુદાદાદ).	૦-૪-૦
ઈશ્ક નવજહાર (ઉર્ફે ગુલ જહદન મોહીયાર).	૦-૨-૦
નંદરાજ અને સાતિ સુલોચનાના ગાયનો.	૦-૨-૦
લયેલી મજનુ.	૦-૨-૦
ધ્રુવ આખ્યાન ખેલમાં ગવાતાં ગાયનો.	૦-૧-૬
રસીકાનો અતિ રમુજી ફારસ.	૦-૧-૦
ચાલાક શાકરજી તથા ગુઈલ્લુની ગડબડનો ફારસ.	૦-૧-૦
શ્રીકૃષ્ણલીલાસ ગાયન.	૦-૨-૦
મોતીશા અને દાદી પકનો ફારસ.	૦-૨-૦
નલસને સનોબર.	૦-૩-૦
અફસીરે આલમ ઉર્ફે તીલસ્માતે સુલેમાની.	૦-૧-૬

બીજાં નાટકના તથા પરચુરણ પુસ્તકો.

હિંદુસ્તાની ગાયન સંગ્રહ ભાગ ૧,૨,૩, દરએકનો.

સીતમે હામાન ઉર્ફે દરેજ અફઝલ.

અલમે ગીરસ્તેલ ઉર્ફે હુમાયુન નાસીર.

નશાએ સીતમગર.

બેનઝીર બદરે મુનીર.

પુરન ભગત -

હીસાબએ

દ

ઇન્સાફે માહમુદશાહ ગજનવી.	૦-૮-૦
મુલ્કે અજલમ ઉર્ફે જૈસા જો વૈસા તો.	૦-૬-૦
ઇરેજે દીલના ઉર્ફે ચાહતે નર.	૦-૬-૦
ખ્વાબે મોહબ્બત.	૦-૬-૦
અજાએબાતે પરસ્તાન.	૦-૬-૦
ગુહરે શબ્દશાહ.	૦-૬-૦
તીલસમે જોહરા.	૦-૩-૦
જાંગીરશાહ ગોહર.	૦-૩-૦
શાકુન્તલા.	૦-૩-૦
સદેવંત સાવલીંગા.	૦-૧-૬
કામસેન રસીકાના ગાયન.	૦-૧-૦
ઓખાહરણનો ઓપેરા.	૦-૧-૦
રૂક્મણી હરણ.	૦-૧-૦
સંગીત ગાયન સંગ્રહ.	૦-૮-૦
ગોપીચંદ નાટક (ગુજરાતી).	૦-૬-૦
મૃચ્છકટીક નાટક.	૦-૮-૦
કરણ ઘેલાના ગાયન.	૦-૧-૦
મદાલસા.	૦-૧-૦
વીરસિંહ ચંદ્રિકા.	૦-૧-૦
નારાયણરાવ પેશવાનો ખેલ.	૦-૩-૦
ને અઈઝા.	૦-૩-૦
હપરી.	૦-૨-૦
પનઈરશાહ.	૦-૨-૦

રે દરેક જાતની નાટકની, વારતાઓની, ગ્રંથો, ગુજ
પણ મળશે, જથ્થાબંધ લેનારને કમીશન

—

ચહાસની કુંપની,
ચહાસ,